03015

No of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंतिम प्रश्न (व्याख्या) अनिवार्य है।

1. "पच्चीस चौका डेढ़सौ" कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। [10]

2. "परिवर्तन की बात" में किसना का चरित्र-चित्रण कीजिए। [10]

3. किसी एक दलित आत्म कथा के मार्मिक प्रसंगों को स्पष्ट कीजिए। [10]

4. "वैतरणी" की भाषा और शिल्प पर प्रकाश डालिए। [10]

5. "लटकी हुई शर्त" का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [10]

6. दलित साहित्य में ओम प्रकाश वाल्मीकि के योगदान की चर्चा कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [2×10=20]

(क) बन्द किले के बाहर
झाँककर तो देखो
बरफ पिघल रही है।
बछड़े मार रहे हैं फुर्री
बैल धूप चबा रहे हैं
और एकलव्य
पुराने जंग लगे तीरों को
आग में तपा रहा है।

(ख) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसों बरस
सहता रहा हूँ
अपनी त्वचा पर
सूई की चुभन जैसे,
उसका स्वाद एक बार चखकर देखो
हिल जाएगा पाँव तले जमीन का टुकड़ा।

(ग) यदि विधान लागू हो जाता कि
तुम्हारे जीवन का कोई मूल्य नहीं।

कोई भी कर सकता है तुम्हारा बध
ले सकता है, तुमसे बेगार
तुम्हारी स्त्री, बहिन और पुत्री के साथ,
कर सकता है बलात्कार
जला सकता है घर बार।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती।

(घ) मैं भागती हूँ सब ओर एकसाथ
विद्रोहिणी बन चीखती हूँ
गूँजती है आवाज सब दिशाओं में
मुझे अनन्त असीम दिगन्त चाहिए
छत का खुला आसमान नहीं
आसमान की खुली छत चाहिए।

----- x -----